



माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल

20 पृष्ठीय

परीक्षार्थी द्वारा भरा जावे ↓

परीक्षा का विषय	विषय कोड	परीक्षा का माध्यम
सांख्यिक विज्ञान	300	हिन्दी

परीक्षार्थी का रोल नम्बर

1 8 4 5 3 0 2 4 0

माध्यमिक शिक्षा मण्डल, म.प्र., भोपाल

BOARD OF SECONDARY EDUCATION, MADHYA PRADESH, BHOPAL

परीक्षार्थी द्वारा भरा जावे

केवल परीक्षक द्वारा भरा जावे।
प्रश्न क्रमांक के सम्मुख प्राप्तांकों की प्रविष्टि करें।

प्रश्न क्रमांक	पृष्ठ क्रमांक	प्राप्तांक	में
1			
2			
3			
4			
5			

नीचे दिये गये उदाहरण अनुसार रोल नम्बर भरे।

उदाहरणार्थ	1	1	2	4	3	9	5	6	8
	एक	एक	दो	चार	तीन	नौ	पांच	छ	आठ

केन्द्राध्यक्ष/सहायक केन्द्राध्यक्ष एवं पर्यवेक्षक द्वारा भरा जावे

क :- पूरक उत्तर पुस्तिकाओं की संख्या अंकों में 01 शब्दों में ८०

ख :- परीक्षार्थी का कक्ष क्रमांक 05

ग :- परीक्षा का दिनांक 13 03 18

परीक्षा का नाम एवं परीक्षा केन्द्र क्रमांक की मुद्रा

इंस्टीट्यूट एडमिनिस्ट्रेशन

पर्यवेक्षक का नाम एवं हस्ताक्षर

मीना वती

केन्द्राध्यक्ष/सहायक केन्द्राध्यक्ष के हस्ताक्षर

2013

परीक्षक एवं उपमुख्य परीक्षक द्वारा भरा जावे ↓

परीक्षक एवं उपमुख्य परीक्षक द्वारा भरा जावे

प्रमाणित किया जाता है कि मूल्यांकन के समय पूरक उत्तर पुस्तिकाओं की संख्या उपरोक्तानुसार सही पाई हो। क्राफ्ट स्टीकर क्षतिग्रस्त नहीं पाया गया तथा अन्दर के पृष्ठों के अनुरूप मुख्य पृष्ठ पर अंकों की प्रविष्टि एवं अंकों का योग सही है।

निर्धारित मुद्रा : नाम, पदनाम, मोबाईल नम्बर, परीक्षक क्रमांक एवं पदांकित संस्था के नाम की मुद्रा लगाने।

उप मुख्य परीक्षक के हस्ताक्षर एवं निर्धारित मुद्रा परीक्षक के हस्ताक्षर एवं निर्धारित मुद्रा

Smt. Chhaya Rathore
(Adhyapak)
Govt. N.P.H.S. HARDY
V No. 1468115

S. K. Singh Adhyapak
Govt. N.H.S. Nayagaon
Valuer No. 1368028

21

22 06/4/18

23

24

25

26

27

28

शब्दों में



2

$$\boxed{\text{योग ६}} + \boxed{\text{पृष्ठ 2 के अंक}} = \boxed{\text{कुल ६}}$$



प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक (1) के उत्तर

अ) (iv) हीरा ।

(iii) नाना साहेब ।

स) (i) 395 ।

द) (i) 100 दिवस का ।

क) (ii) कृषि उत्पादों के लिए ।

B

S

E

प्रश्न क्रमांक (2) के उत्तर

अ) यू. एन. डी. पी. ।

ब) हड़प (वित्तिय) ।

स) 26 नवम्बर 1949

द) प्रधानमंत्री ।

सामाजिक ।

3



योग पूर्व पृष्ठ

+



पृष्ठ

=



कुल अंक



सं क्र.

प्रश्न क्रमांक (4) के उत्तर

अ) सत्य ।

ब) सत्य ।

स) असत्य ।

द) सत्य ।

इ) सत्य ।

प्रश्न क्रमांक (4) के उत्तर

i) खेल गतिविधियों का समन्वय - (a) डी.डी. स्पोर्ट्स चैनल

ii) एकीकृत निर्देशित प्रक्षेपास्त्र योजना - (a) पी.जे. अबुल कलाम

iii) ऊनी वस्त्र उद्योग - (a) सन् 1876

भारतीय रिजर्व बैंक - (a) बैंकों की बैंक

मिश्रित अवस्था - (a) व्यक्तियों तथा सरकार का

4

$$\boxed{} + \boxed{} = \boxed{}$$

यों २० पृष्ठ 4 के अंक कुल अंक



प्रश्न क्रमांक (5) के उत्तर

1. स्वर्ण आभूषणों की ।
2. तृतीयक क्षेत्र (सेवा क्षेत्र) ।
3. सन् 1969 में ।
4. ऐसे पदार्थ जिन्हें सेवन से भस्तिष्क शिथिल हो जाए, रक्तसंचार तेज हो जाए व उत्तेजना से क्षणिक आन्तरिक आनन्द की अनुभूति हो, उसे मादक या नशीला पदार्थ कहते हैं।
5. ऐसी स्थिति जिसमें व्यक्ति वर्तमान भण्डारी दर पर कार्य करने पर तैयार होता है परन्तु उसे रोजगार नहीं मिलता है - बेरोजगारी कहलाती है।

प्रश्न क्रमांक (6) का उत्तर

मृदा अपरदन :-

बहते हुए जल, वायु व मानवीय क्रियाओं एवं जीव-जन्तुओं की क्रियाओं से मिट्टी की सारी उपजाऊ सतह का कट जाना व बह जाना या अन्यत्र रूपान्तरित हो जाना मृदा अपरदन कहलाता है। अर्थात् उड़कर मृदा के क्षय (कटाव) को ही मृदा अपरदन कहते हैं।

5

+



=



पृष्ठ ३

कुल अंक



प्रश्न क्रमांक (7) का उत्तर

लार्ड कर्जन ने सन् 1905 में "फूट डालो व शासन करो" की नीति का अनुसरण करते हुए क बंगाल को दो भागों में विभाजित कर दिया। उसने बंगाल की एकता को हमी पट्टेचमे व हिन्दू-मुसलमानों में सदैव डेलिए फूट डालने के उद्देश्य से बंगाल का विभाजन कर दिया, इससे बंगाल में विस्फोटक स्थिति उत्पन्न होगई थी।

प्रश्न क्रमांक (8) का उत्तर

राष्ट्रीय आय की गणना एक वर्ष (1 अप्रैल से 31 मार्च) में उत्पादित वस्तुओं व सेवाओं के मोट्रिक मूल्य को जोड़कर की जाती है।

प्रश्न क्रमांक (9) का उत्तर (अथवा)

द्वितीयक क्षेत्र :-

इस क्षेत्र की गतिविधियों के अन्तर्गत प्राकृतिक उत्पादों के विनिमणि की प्राम्णाल प्रणाली द्वारा मूल्य रूपों में परिवर्तित किया जाता है। उदाहरण- लोहे से शीन बनाना, ऊपास से रुपये बनाना। ये कार्य प्राथमिक क्षेत्र के बाद आगला कदम होता है। इसमें वस्तुएँ सीधे कृति से प्राप्त नहीं होती बल्कि मानवीय क्रियाओं द्वारा या जाता है। ये क्रियाएँ किसी उद्योग या घर में की जाती हैं।

6

योग पूर्व पृष्ठ

पृ

कुल अंक



BIHAR BOARD OF SECONDARY EDUCATION

प्रश्न क्र.

क्योंकि यह क्षेत्र विभिन्न उद्योगों से संज्ञित होता है इसलिए इसे औद्योगिक क्षेत्र भी कहेंगे।

प्रश्न क्रमांक (10) का उत्तर (अथवा)

एकाधिकार :-

एकाधिकार से आशय यह है कि किसी वस्तु या सेवा के उत्पादन एवं वितरण पर उत्पादक या उत्पादकों के समूह का आधिकार होना। एकाधिकार में उत्पादक वस्तु के मूल्य, गुण उपलब्धता के सम्बंध में मनमानी करते हैं, फलतः उपभोक्ताओं का शोषण करने में सफल हो जाते हैं।

प्रश्न क्रमांक (11) का उत्तर (अथवा)

श्वेत क्रांति व पीत क्रांति में निम्न अंतर है-

श्वेत क्रांति	पीत क्रांति
1. श्वेत क्रांति का पशुपालन से निकट का संबंध है।	1. इसमें खाद्य तेलों एवं तिलहन फसलों के उत्पादन पर बल दिया जाता है।
2. इसे आपदेशन फलंड के नाम से जाना जाता है।	2. इसे 'पीला सोना' के नाम से जाना जाता है।

7



योग पूर्व पृष्ठ



पृष्ठ 7 के अंक



कुल अंक



EDUCATION, MADHYA PRADESH, BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION, MADHYA PRADESH, BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION, MADHYA PRADESH, BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION, MADHYA PRADESH, BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION, MADHYA PRADESH, BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION, MA

क.

उ. इसका आशय डेयरी विकास कार्यक्रमों के माध्यम से उद्योग उत्पादन में वृद्धि।

उ. इसमें खाद्य तेलों व तिलफसलों में अनुसंधान एवं विकास रणनीति करके उत्पादन बढ़ाने की नीति कांति कहते हैं।

प्रश्न (12) का उत्तर

सामाजिक चर्चा :-

विश्व बैंक से प्राप्त वित्तीय सहायता के आधार पर वृक्षारोपण इस योजना में वृक्षारोपण को बढ़ावा दिया जाता है। इसमें चक बान्नी विस्तार बान्नी, शहरी बान्नी के अन्तर्गत वृक्षारोपण किया जाता है।

हर बच्चे के लिए एक पेड़ यह नारा स्कूल कॉलेजों में विकसित किया गया है। सरकार द्वारा वन महोत्सव का प्रचार प्रसार कर वृक्षारोपण, कामी वृक्षारोपण के द्वारा वृक्ष लगाकर जन भागीदारी को बढ़ावा दिया जाता है। नन कानूनों को लागू कर वृक्षों की कटाई पर रोक लगाई गई है। हिमालय क्षेत्रों में अत्यधिक पर्युत्थरण पर रोक के लिए व्यवस्था की गई है।

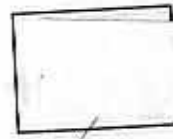


योग



पृष्ठ 8 के अंक

=



कुल अंक



प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक (13) का उत्तर

कांग्रेस का प्रथम अधिवेशन सन् 1885 में हुआ हुआ। इसके अध्यक्ष व्योमेश चन्द्र बनर्जी थे। उन्होंने कांग्रेस की स्थापना के उद्देश्य बताए -

(1) साम्राज्य के विभिन्न भागों में देश हित के कार्यों में सलग्न एवं सभी व्यक्तियों के बीच एकता एवं मित्रता को बढ़ावा देना।

B
S
E

(2) तत्कालीन महत्वपूर्ण एवं नव सामाजिक समस्याओं के बारे में शिक्षा तथा उनके परिपक्व व्यक्तियों से सावधानी से विचार विमर्श कर उनका सामाजिक लेखा जोखा तैयार करना।

(3) जिस तारीख से जिन विचारों में अगले बारह महीनों में राजनेताओं की लोकहित में जो कार्य करने हैं उनकी रूपरेखा बनाना।

प्रश्न क्रमांक (14) के उत्तर (अथवा)

इल्बर्ट बिल का विरोध:-

बाइसराय लॉर्ड रिपन ने भारतीय मेरुभाव को दूर करने के लिए एक कानून बनाने का प्रयास किया। इसे विधि सदन इल्बर्ट ने तैयार किया था। इसे इल्बर्ट बिल कहा गया। भारतीय मजिस्ट्रेटों



योग पूर्व पृष्ठ

30



पृष्ठ 9 के अंक

=



कुल अंक



व सैरान जनों को दीवानी मामल मामलों में
युप युरोपिय लोगों की सुनवाई का अधिकार दिया
जाना था।

भारतीय मजिस्ट्रेटों व जनों को युरोपिय
आपराधियों की सुनवाई का अधिकार नहीं था, इस
भेदभाव को दूर करने के लिए इन्वर्ट बिल लाया
गया था। भारत में बसने वाले यूरोपीयनों ने इसका
संगठित होकर विरोध किया व इसे काला कानून
माना। अन्ततः ब्रिटिश सरकार को इसे वापस लेना पड़ा।
भारतीयों के मन पर इसका गहरा असर पड़ा। यूरोपियनों
द्वारा इन्वर्ट बिल का विरोध अंग्रेजों की भेदभाव पूर्ण
नीति को उजागर करता था।

प्रश्न क्रमांक (15) का उत्तर (अथवा)

लोहा इस्पात उद्योग-

लोहा इस्पात उद्योग आधारभूत
उद्योगों में से एक महत्वपूर्ण उद्योग है। किसी भी देश
की आर्थिक विकास के लिए लोहा इस्पात उद्योग
का विकास आवश्यकता होता है। इस उद्योग की गणना
महत्वपूर्ण उद्योगों में की जाती है। किसी राष्ट्र की
अर्थव्यवस्था का यह मूल आधार स्तंभ होता है। यह
आधुनिक औद्योगिक दौरे का आधार व राष्ट्रीय
क्ति का मापदण्ड होता है। लोहा इस्पात उद्योग का
योग, बस, रेल-पुल, मत्तयात के साधन, सड़क, भवन,
शस्त्र कृषियंत्र आदि बनाने में किया जाता है।
इसलिए लोहा इस्पात उद्योग आधारभूत उद्योग
कहलाता है।



प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक (17) का उत्तर

सूखा -

सूखा एक प्रमुख आपदा है, जो मानवीय चिन्ता का प्रमुख कारण बन रही है। हमारे देश के कुछ ही ऐसे क्षेत्र हैं जिन्हें सूखे की आपदा का सामना नहीं करना पड़ता। किसी क्षेत्र में होनेवाली मा औसत वार्षिक वर्षा में 25% कमी हो, उसे सूखा कहते हैं। गंभीर सूखे की स्थिति तब होती है जब किसी क्षेत्र की वर्षा में 50% की कमी या 2 वर्षों से निरन्तर वर्षा न हुई हो।

B

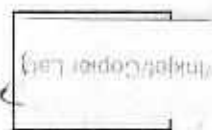
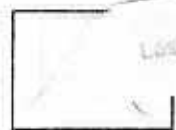
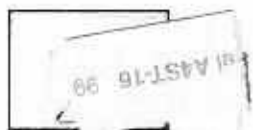
S

E

भारतीय सिंचाई आयोग की 1912 की रिपोर्ट के अनुसार वे क्षेत्र जहाँ वार्षिक वर्षा 75 सेमी. से कम व वार्षिक वर्षा में 25% की कमी हो गंभीर सूखा ग्रस्त क्षेत्र कहलाते हैं।

बाढ़ :-

किसी क्षेत्र में किसी कारणों से हुआ अचानक जल भराव जिससे जान-माल जन-धन की हानि हो, उसे बाढ़ कहते हैं। बांधों में अत्यधिक जल भराव, भारी वर्षा के कारण नदियों का अपने किनारों को लाँघने व चक्रवात या तूफानों के कारण बाँधों के फटने से निश्चित क्षेत्र में अस्थायी जल भराव भरा जाता है जिससे बाढ़ आती है।



प्रश्न क्रमांक (18) की उत्तर (अथवा)

मध्य प्रदेश में राष्ट्रीय चेतना में वृद्धि करने में अनेक कारकों का सहयोग रहा किन्तु समाचार पत्रों की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण रही। उस समय ऐसे अनेक समाचार पत्र, पत्रिकाएँ प्रकाशित हुई जिन्होंने ब्रिटिश शासन की अन्यायी व दमनकारी नीतियों से जनता को आन्दोलन के लिए प्रेरित किया, उनमें प्रमुख थे - 'कर्मवीर', अंकुश, सुबोध सिंधु (खण्डवा), 'न्यायसुधा' (हरदा), आर्यवेग (नुरघनपुर), प्रजमिष्ट पत्रिका (इन्दौर), सरस्वती विवास (जबलपुर) लोकमत, सुबह वतन (भोपाल) व साप्ताहिक बाजार (भोपाल) इत्यादि। (जबलपुर)

जब ब्रिटिश शासन के प्रतिबंधों के कारण समाचार पत्र प्रकाशित नहीं हो सके तो, गुप्त रूप से बुलेटिन व पत्रों के माध्यम से जन जागृति के कार्य हुए।

प्रश्न क्रमांक (19) की उत्तर (अथवा)

भारत व चीन युद्ध के परिणाम = भारत व चीन युद्ध के निकटवर्ती व दूरगामी परिणाम सामने आए जो निम्न है -

1. भारत - चीन संबंध तनाव पूर्ण हो गए।
2. भारत के मूल भाग का एक बहुत बड़ा भाग चीन के कब्जे कब्जे में चला गया।



प्रश्न क्र.

3. भारत की सुटनररररर नीति व
अंतररररररर रररि रर ररररर रररर।

4. चीन - ररररररररर में रर ररररररर रर
नरररर रररर।

5. भारत की ररररर नीति में आररररररर के
ररररर रर ररररररररररर ररर ररररररररर
की ररररर रररर।

भारत - अरररररर ररररररर में सुररर रररर।

B

S

E

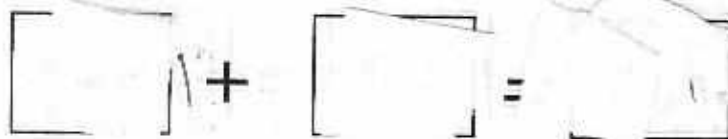
प्रश्न क्ररररर (रर) रर उत्तर (अथवा)

समाजवादी -

समाजवादी रर आररर रररररर
समाज ररररररर समाज के समाजवादी रररर
पर आररररर रररर। प्ररररर ररररररर की
रररररर आररररररररर की रररि रररर। भारत
में ररररररर समाजवादी की अरररर ररररर।

पंथ निररररररर:-

भारत में सविधान रररर पंथ निररररर
राज्य की आरररर ररर रररर। ररररर आरररर
रररर कि राज्य सभी धरररि व पंथों की समाज
रूपसे रररर रररर, किसी धरररि पंथ को
राज्य के धररि के रूप में नहीं ररररर।



योग पूर्व पृष्ठ

पृष्ठ 13 के अंक

कुल अंक



क्र.

सरकार द्वारा नागरिकों के मध्य धर्म या पंथ के आधार पर भेदभाव नहीं किया जाएगा। प्रत्येक नागरिक को अपना धर्म, विश्वास, मान्यताएं, रीति-रिवाज मनाने का अधिकार है।

प्रश्न क्रमांक (21) का उत्तर

आर्थिक प्रणाली :-

किसी देश की आर्थिक क्रियाओं का संचालन जिस व्यवस्था द्वारा किया जाता है उसे आर्थिक प्रणाली कहते हैं। आर्थिक प्रणाली में अर्थव्यवस्था संबंधी सभी विषय लिए जाते हैं जैसे कि- क्या उत्पादन किया जाए, किन वस्तुओं का उत्पादन किया जाए, उत्पादन किस लिए किया जाए आदि इन विषयों के आधार पर ही अर्थव्यवस्था से संबंधित सभी उत्पादन, विनिमय वितरण आदि कार्य होते हैं। नागरिकों का जीवन भी इन्हीं विषयों पर निर्भर करता है। इस प्रकार आर्थिक प्रणाली को निम्नानुसार परिभाषित किया है-

प्रो. ए. जे. ब्राउन के अनुसार - "आर्थिक प्रणाली वह साधन है जिसे लोग अपनी आजीविका का उपार्जन करते हैं।"

आर्थिक प्रणाली की विशेषताएं -

(1) आर्थिक प्रणाली का प्रमुख उद्देश्य आर्थिक समस्याओं से हल करना है।



प्रश्न क्र.

2. अर्थव्यवस्था की प्रमुख समस्याएँ क्या उत्पादन किया जाए, उत्पादन कैसे किया जाए, किन-किन वस्तुओं का उत्पादन किया जाए।

3. अर्थव्यवस्था में माननीय आवश्यकताओं को संतुष्ट करने के साधन सीमित मात्रा में पाए जाते हैं।

4. आर्थिक प्रणाली परिवर्तनशील होती है।

5. आर्थिक प्रणाली संस्थाओं का समूह है।

प्रश्न क्रमांक (23) का उत्तर (अथवा)

जापानियों द्वारा ब्रिटिश सेना के कुछ सैनिक मुद्राबंधी बना लिए गए थे। उनमें से एक अधिकारी कैप्टन मोहन सिंह थे जिन्होंने भारतीय मुद्राबंधियों को संगठित कर करवरी 1942 में आजाद हिन्द फौज की स्थापना की गई। आजाद हिन्द फौज की स्थापना का प्रमुख उद्देश्य भारत की मुक्ति के लिए संघर्ष करना था। सन् 1943 में जब सुभाष चंद्र बोस जापान पहुँचे तो राजबिहारी बोस ने फौज के नेतृत्व का दायित्व उनको सौंपा। सुभाष चंद्र बोस ने फौज का नेतृत्व संभालने के पश्चात् यह घोषणा कि - मैं ईश्वर के नाम



क्र.

पर यह शपथ लेता हूँ कि मैं भारत व उसे उसे उ३
 लाख नागरिकों को स्वतंत्र कराऊँगा व इस पवित्र युद्ध
 को अपने जीवन की अन्तिम श्वास तक जारी रखूँगा।
 इससे अतिरिक्त सुभाष चन्द्र बोस ने 1944 में दिल्ली
 चलो' का नारा भी दिया। सन् 1944 में रंगून से प्रस्थान
 कर म्यांनमार (बर्मा) में ब्रिटिश सेना से युद्ध किया
 व विजयी प्राप्त की। इसके अतिरिक्त आजाद
 हिन्द फौज ने भारत में ब्रिटिश सेना से अनेक बार
 युद्ध किया व विजयी प्राप्त की। अथम बार 1944 में
 स्वतंत्र भारत की भूमि पर आजाद हिन्द फौज
 ने भारत - म्यांनमार सीमा पर तिरंगा फहराया। इसके
 बाद नागालैण्ड व कोचिमा पर भी अधिकार किया
 परन्तु आगे पराजय का मुख देखना पड़ा। सन् 1945
 में हवाई दुर्घटना में सुभाष चन्द्र बोस की मृत्यु हो गई।
 उसी वर्ष आजाद हिन्द फौज के प्रमुख सैनिक - साहगल,
 दिल्लन व शाहनवाज खाँ को गिरफ्तार कर लिया व
 परन्तु भारतीय जनता ने उनकी रक्षा के लिए मुकदमा चलाया
 आवाज उठाई, विवशतापूर्वक ब्रिटिश सरकार को सैनिकों
 को रिहा करना पड़ा। इससे भारतीय नौसेना व वायुसेना
 की प्रेरणा मिली। एवं आजाद हिन्द फौज की प्रतिष्ठा
 बढ़ी। वस्तुतः आजाद हिन्द फौज ने भारत की स्वतंत्रता
 की धृष्टभूमि तैयार कर दी।



योग पूर्व पृष्ठ



पृष्ठ 16 के अंक

=



कुल अ.



प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक (24) का उत्तर (अथवा)

1971 का भारत-पाक युद्ध 14 दिनों तक चला। इस युद्ध में पाकिस्तान के लिए काफी सैना यह युद्ध हुआ। पाकिस्तान को उसके विशाल जंग पूर्वी पाकिस्तान से हाथ धोना पड़ा। पूर्वी पाकिस्तान अब बांग्लादेश के रूप में स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में प्रतिष्ठित हो चुका था। 1971 भारत-पाक युद्ध के निम्न परिणाम थे।-

B
S
E

(1) बांग्लादेश का निर्माण हुआ।

(2) पाकिस्तान की जनसंख्या शक्ति व क्षेत्रफल कम हुआ।

(3) सन् 1965 के बाद 1971 की पुनः हार ने पाकिस्तान का मनोबल गिरा दिया।

(4) इस युद्ध में पाकिस्तान से सहानुभूति रखने वाले राष्ट्र चम चीन व अमेरिका की महत्व-मांसाक्षों व होसलों की पराजय हुई।

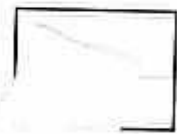
(5) भारत को समझ आ गया कि अमेरिका उससे शुभ चिन्तित नहीं है अतः इन्हें सोवियत संघ से मित्रता बढ़ाई।

(6) देश के सभी राजनीतिक दलों ने अपने आपसी मतभेद भुला दिए व बांग्लादेश की

17



योग पूर्व पृष्ठ



पृष्ठ 1, के अंक

=



1क



स्वतंत्रता की प्रमुख प्रश्न बना।

प्रश्न क्रमांक (26) का उत्तर (अथवा)

जनसंख्या विस्फोट -

किसी देश की जनसंख्या वांछित इतनी अधिक हो कि देश में उपलब्ध संसाधनों द्वारा उसकी पूर्ति न हो सके, उसे जनसंख्या विस्फोट कहते हैं। यह हमारे सारे आर्थिक प्रयासों को बिगड़ कर देते हैं व प्रजातंत्र के मार्ग में बाधा होती है। विकासशील व विकसित राष्ट्रों के लिए यह अभिशाप है।

जनसंख्या विस्फोट के समाल पर समाव :-

- (1) प्रति व्यक्ति आय में कमी आती है।
- (2) बचत एवं विनियोग बहुत कम हो जाता है।
- (3) भूमि पर जनसंख्या का दबाव बढ़ता है जिसे भूमि आवश्यक मात्रा में अनाज पैदा नहीं कर पा रही है।
- (4) चिकित्सा सेवाएँ आवश्यक मात्रा में पूर्ति नहीं कर पाती हैं।
- (5) बेरोजगारों की संख्या में वृद्धि हो जाती है क्योंकि श्रम आपूर्ति अधिक व काम के अवसर कम हो जाते हैं।
- (6) जनसंख्या विस्फोट से वस्तुओं की माँग बढ़ती है परन्तु वस्तुएँ सीमित मात्रा में उपलब्ध होती हैं फलस्वरूप कीमती वस्तुएँ सीमित होती हैं।



प्रश्न क्र.

महंगाई बढ़ जाती है।

(क) शिक्षा एवं आवास की समस्या बढ़ जाती है इसलिए रुवि व अन्य उपयोगी भूमि पर आवास बना लिए जाते हैं।

प्रश्न क्रमांक (16) का उत्तर (अथवा)

संचार -

B

S

E

सूचना एवं संदेशों को एक स्थान से दूसरे स्थान पर भेजना संचार कहलाता है।

संचार के साधन:-

(I) मोबाइल फोन या सेल्यूलर फोन:- यह बेतार का है इसे मोबाइल फोन कहते हैं। इसे जेब में रखकर कहीं भी ले जाया जा सकता है व फोन किया व किसी व प्राप्त भी किया जा सकता है।

(II) तार:- अमेरिकी वैज्ञानिक ग्रामस एलवा एडीसन ने टेलीग्राफ का आविष्कार किया, इसके माध्यम से रीढ़ संदेश भेजे जाते लगे। इसके विद्युत के माध्यम से एक स्थान से दूसरे स्थान पर कोडेंसी नाम मशीन द्वारा संदेश भेज जाते हैं। इसके लिए मोर्सकोड नामक



योग पू



पृष्ठ 19 के अंक

=



कुल अंक



सांकेतिक भाषा का प्रयोग किया जाता है।

(II) कैल्कुलस :- यह एक प्रकार से लिखित भाषा है। इसे मापने की विधि है। इसके लिए एक मशीन की आवश्यकता होती है जिसे कैल्कुलस मशीन कहते हैं। यह मशीन मापने वाले का वजन, मो. वजन की प्रतिक्रिया देती है।

(III) इन्टरनेट :- यह इन्टरनेशनल नेटवर्क का संक्षिप्त नाम है। यह कंप्यूटर कंप्यूटरों की आपस में जोड़ने की सर्वाधिक सरल और अंतराष्ट्रीय प्रणाली है। इस सेवा के द्वारा देश-दुनिया की खबरें देनी शुरू की संभव किया जा सकता है। इसका उपयोग संवादों से संबंधित भाषाओं के संग्रहण व प्रकाशन के लिए किया जाता है। इसे छोटे-छोटे उपयोग करने वालों की आपस में जोड़ रहा है।



योग पूर्व पृष्ठ

पृष्ठ 20 के अंक

कुल अंक

प्रश्न क्र.

पञ्च रूपांक (२२) का उत्तर (अथवा)

नाम

रूपांक

संकेत

i) फुहार

,

ii) धु-ध

8

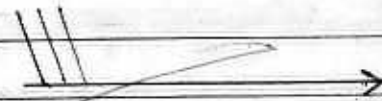
iii) घने बादल



iv) शांत



v) मबल समीर

B
S
E



माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल

4 पृष्ठीय

परीक्षार्थी द्वारा भरा जाये ↓

परीक्षा का विषय : विषय कोड : परीक्षा का माध्यम : परीक्षा का दिनांक

सामान्य विज्ञान : 3 : 0 : 0 : हिन्दी

13 03 18

स्टीकर तौर के निशान ↓ से मिलाकर लगायें

परीक्षा का नाम एवं परीक्षा केंद्र क्रमांक की मुद्रा

कोड नं. 451035

पर्यवेक्षक का नाम एवं हस्ताक्षर

Mona
सीता वर्मा

सहायक/सहायक केन्द्रध्यक्ष के हस्ताक्षर

+ =

low/ep

संसद में विधेयक पारित होने की प्रक्रिया

संसद में विधेयक पारित होने की प्रक्रिया

1.) विधेयक वाचन या विधेयक का प्रस्तुतीकरण -

संसद का कोई भी सदस्य एड माह पूर्व की सूचना के आधार पर लोकसभा अध्यक्ष या राज्यपाल की अनुमति मिलने पर सदन में प्रस्तुत करता है। इस स्तर पर कोई वाद विवाद नहीं होता। विधेयक का प्रस्तुतीकरण ही प्रथम वाचन कहलाता है।

2.) द्वितीय वाचन :-

इसमें विधेयक की प्रतियाँ सदस्यों को बाँटी जाती हैं जिनके द्वारा प्रस्तावित मूल अवधारणा पर विचार होता है। वाद विवाद नहीं होता है।

3. समिति व्यवस्था :-

गहन विचार के लिए सदन को छोटी-छोटी समितियों का बनाया जाता है। वे सूझता से विचार किया जाता है।

4. प्रतिवेदन स्तर :-

समिति प्रतिवेदन या सदन द्वारा संशोधन की प्रतियों का बनाया जाता है। सदन जोड़े सभाध्यक्ष रूप से या सदन द्वारा संशोधन करना चाहते हैं। अंत में बहुमत द्वारा विधेयक पारित हो जाता है।

5. तृतीय वाचन :-

प्रतिवेदन के बाद विधेयक पारित होने की प्रक्रिया तृतीय वाचन कहलाती है।

6. विधेय विधेयक का दूसरे सदन में जाना :-

जब विधेयक एक सदन में पारित हो जाता है तो उसे दूसरे सदन में भेजा जाता है। दूसरे सदन में विधेयक उपरोक्त आगतिविधि से गुजरता है।

7. राष्ट्रपति के हस्ताक्षर :-

जब दोनों सदन द्वारा विधेयक पारित हो जाता है तो उसे राष्ट्रपति के पास हस्ताक्षर करने के लिए भेजा जाता है। उसके बाद यह कानून बन जाता है। पन्द्रह राष्ट्रपति चाहते हैं कि विधेयक न हो।



उत्तर : सदन के पुनर्विचार दिवु मेम सकहा हो छोरे
घरि दोनो सदन उसे पुनः पारित कर राष्ट्रपति
के पास भेजते है नी राष्ट्रपति को हस्तासद करना ही
होता है।